all subsect ka hain Phy अर्जा स्रिक्षण के सिद्यान्त की विदे और अधितीय राप से प्राधित करे। भव्युत्वन राधिया नया इसके उलाहरता है। - जोते राशिया श्रुल राशियो से उत्पन्न होती है। उसे खुत्पन्न राशिया कार्तिही जैसे ८ वैज्ञा, चाल, वल उत्याहि 9 3. इरी और विस्थापन में का। उर्धर ही दूरी तथा बिल्हापन में उद्देश हैं .. विस्थाएं न C यस्तु क्रारा तय क्रियेगर वस्तु के प्रारंभिक रूव औतिम बाहत की जंबार्र को दूरी - स्थिति के वरीच की न्यूनत्म कर्य है। C 4 दूरी की विस्मापन कहते हैं। कहते हैं 0 यह एक सिक्स राष्ट्रिह यह एक अद्भि। राष्ट्रि। ही 🏖 तम की गई दूरी हमेशा विस्थान धनालक अल्पाला गा ~ कि तथ किया अया विस्तापन त्य की गई प्रशिया ते। बिल्यापन है समान, या , द्वी से अम होतेह विस्थापन से बड़ा होता हो 8 5. क्या हो। क परिभादे परिभावा दे इसका SI भात्रक C 0 किसी वेहत के प्रव्यमान तथा वेश के स्कानकर की P= MXV = Kg XMIS

इसका डा मालक किलोग्राम मीटर स्ट्रित sec ekgm/s होताहै 0,6. आक्रीबाडिज का सिद्यांन्त क्या है। सूनान के महान द्रशीतिक तथा आठिसन सिक्टिंडिमी ज ते उत्पन्न किता के दिनहोत का मित्रपादन किया जिले अकिमिडिज का सिद्धान्त कहा जाता है। इसे सिद्धान्त के अनुसार, ज्य किसी होस वस्तु को प्रव या जैस में धूर्णतः या अंगतः ड्रुबासा जाता है तो उसके भार में एक प्रत्यक्ष कभी अती ही जो होस वस्तु क्ट्रिया मिस्वापित किये किये जाये द्व या जैस के भार है वराबर होता ही 3 पदार्ध को क्या समझते ही -जो वस्तु स्याज हैरता है, जिसमें आयतन हो , जिसमें भार हो , जिसे भापकर उसकी भागा ज्ञात किया जा सके, उसे पदांश कहते ही जैसां, जिला , चिनी ऑक्सीजन इत्यादि ह्रवा की शुप्त उक्सा क्या है अपि है डिए त्यान में इन्ह्या देव हैं। अपने हैं देवण की ग्रीम अपने हैं हैं। विर त्यान में आपने हैं देवण की ग्रीम अपने हैं। वाख्यन की शुन्त अवमातधा द्रवण की सुन अक्षा

814: रिस्पर अनुपास के नियम को किएके न अस किया का समिपादन । नहा ईन में जोसेफ लुइस पाउट में किया। वस वियम के अनुसार एक ही रसायनिक योगिक के विक्रिक्त नसूनों से एक ही प्रकार के तत्व अप के विचार में एक निश्चित अनुसात में हो। जोसे-जार हम किसीकी स्त्रोत से लायों उसने हाडड्रोजन जार हम किसीकी स्त्रोत से लायों उसने हाडड्रोजन 6 -तथा ऑक्टीजन की भाना है। १ है। Q.15. अर्धी के किन्ही को निश्चीकट विशेषार एमा की स्तिते ? अण् के विकासिक्त विशेषार ही: (1) किसी विशाप पदार्थ के सभी अणा रुद्धश होते ही। (1) विभिन्न पदार्थी के अणु भिन्न - भिन्न होते ही। स्तरमारिक उमेर समभाविक में अंतर रूपाक करें। (Bio स्यूत कींग उत्तक है दो कारजी की लिबिं। रम्यून कोठा उलक के दोडार्या मिरन लिखिक ही में उनक भोटी होती है। सीर पढाधी के परिवहन में a. इनि अंतर की बिक्तिया रखान पाये जाते हैं। जिल्ल का रण खे

पदाशी के परिवहन में भाग लेते हैं।

रकत और लिस्नका में अंतर क्या है।

लोशिका रबत का रंग लाल होता की ल्पिका सामान्यत रेगरीन एकत भें लाल रकत काठा लारिका, भेलाल २४त का प्रवास भे अधिक मात्रा में प्रोटीन, पाया जाता ही महीं पाये जाते। iv) रक्त में पर्च हुए भोजन पोटीन नहीं पाया जाता तथा उत्सर्जी पदार्थ काम क्री अंतर्का में इसकी भाषा अधिक

Q23 स्तरल रन्याभी उलक कितने प्रकार है होते ही

ट स्राही उत्तक — एक स्राह्मी की क्रिकारी किसी को क्षितियों अतिक्षित्र मोटाई की होती हो । ने आपस में मिलकर सरम स्वाही उत्तक की रचना कार में ही। ये तीन प्रकार की होती है।

स्युतक या परेन्काउम

इंड उत्तक

824. संड आर्थीपोड़। डे सुक्य प्रक्रीक्ताओं को बिलेंग = आर्थी पोडा जेल जगत का स्वलेखडा संघ ही वस्तुरा

लात प्रीयमी के संपूर्ण सीख्या के **रा**रीब 75% असी स्रोहा के साद्धाय है। इसकी विश्वेषतीर निक्निविवत हैं-(क) इस स्माह के जैनुनों के पेर संडित , जीडकार तथा। प्राया रोमयुक्त होते ही (व) इस जिनुनों की सिर, वहा तथा उद्दर हो किस्सिक्सम्त होताही (गा) हम जंतुओं का शरीर का शरीर काइलि काइरिल के अजार का शरीर का शरीर काइरिल के अजार का शरीर का (दा) अहर्माल सीद्या और संप्रुण होता ही रनीलोम (ड.) इन जेंदुओं की बबुला परिसेचरण केंग्र नंत्र पाया जाताह इन सम्बह के अनिर्गत जींग केनडा, बितिलादाटरा, 26, कर्णें जारात का स्वासे वड़ा संध कीन ह — आर्थीपोडा जंतु जात का सक्से वडा संघर्ट जात क्रिक्स के प्रमान के समंपूर्ण संस्का है 75% जंत